an>

Title: Regarding repeated incidents of sacrilege of Shri Guru Granth Sahib in Punjab.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : अध्यक्ष महोदया, आज विश्व के जो भी लोग श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी को मानने वाले हैं, वे बहुत आहत हैं। मैं भी बहुत ही भरे मन से यह बात कहने के लिए खड़ा हुआ हूँ। सारा सदन और आप भी जब यह बात सुनेंगे तो इस बात पर आपको भी दुख होगा। क्योंकि जो श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी है, वह मानवता को जिंदगी जीने का तरीका बताता है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी कोई एक भाषा का, एक सूबे का, एक राज्य का नहीं है, श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी को हमारे गुरूओं ने जहां लिखा, उसको खास तौर पर 15 भक्तों ने, जिसमें भक्त रविदास जी, भक्त कबीर जी, भक्त परमानंद जी, भक्त नामदेव जी और अनेकों हमारे ऐसे लोग हैं। जिस ग्रंथ ने यह बताया हो कि ः

" अव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदे,

एक नूरू ते सब जग उपज्या, कौन भले, कौन मंदे। "

मैडम, लेकिन आज पंजाब में जो हालात बने हैं, आपने भी आखिर में मौका दिया है। परंतु पंजाब में 12 अक्टूबर को सबसे पहले फरीदकोट में, गांव बरगाढ़ी में, श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी के पन्ने, जिनको हम अंग बोलते हैं, उनकी ऐसी हालत कि कहने से भी मन घबराता है, जो हालात पंजाब में, श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी के साथ किए गए, और उसके बाद बुज जवाहर सिंह वाला, आज मैडम, छह महीने हो गए हैं, श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी वहां से चोरी हो गए, जहां सिखों की पार्टी बताने वाली अकाली दल बीजेपी, वहां पर राज कर रही है, आज छह महीने से श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी मिले नहीं हैं। ...(व्यवधान) मैडम, यह बात सुननी पड़ेगी।

माननीय अध्यक्ष : आप एक अच्छी बात उठा रहे हैं, किसी पर एलिगेशन मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह : मैडम, ये क्या बात है? ये टॉलरेंस की बात करेंगे? ...(व्यवधान)

श्री शेर सिंह गुबाया (फ़िरोज़पुर) : मैडम, ये राजनीति कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बैठिए गुबाया सिंह जी, सभी आहत हैं। वही बोल रही हूँ। इस पर राजनीति मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Do not make any politics out of it.

â€¦(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह: मैडम, मौका मिलेगा इनको, ये बोलें। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: That will not go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦**

श्री रवनीत सिंह: मैडम, उसके बाद, जब नौजवान लड़के इस बात पर गांवों में बैठे तो उनको बरगाढ़ी में पुलिस ने अंधाधुंध गोलियां चला कर मार डाला, जो लड़के वहां लंगर दे कर गए थे। ...(व्यवधान) मैडम, हमने काले दिन पंजाब में देखे हैं। ...(व्यवधान) यह इलैक्शन से पहले की साजिश है कि वे काले दिन पंजाब में आ जाएं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़ आप बैठिए, यह झगड़ा लगाने की बात नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह : मैडम, उसके बाद लुधियाना में धवदी गांव में, अमृतसर में, भटिंडा में, महराज गांव में, फिरोज़पुर में, संगरूर में श्री गुरू ग्रंथ साहिब के अंगों की बेअदबी की गई और कोई चीफ मिनिस्टर या कोई अकाली मंत्री वहां नहीं गया। वहां गया कौन? हमारे नेता वाइस प्रेसिडेंट श्री राहुल गांधी वहां पर मलहम लगाने गए। ...(व्यवधान) उसके बाद राहुल गांधी जी राष्ट्रपति जी को मिले और यह मांग की, क्योंकि मरने वालों के परिवार की मांग थी, पंजाब की मांग थी कि हमें सरकार पर विश्वास नहीं है। ...(व्यवधान) उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के किसी जज से इंक्वायरी की मांग की। ...(व्यवधान) आज आपके सामने मेरी मांग है, पंजाब के लोगों की मांग है, जो अत्याचार पंजाब में हो रहा है, आज सुप्रीम कोर्ट के जज से वहां पर इंक्वॉयरी करवाई जाए कि किसलिए हमारे ये नौजवान लोग मारे गए हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आरोप-प्रत्यारोप मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Do not make allegations.

â€¦(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह: मैडम, किसलिए हमारे श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी से बेअदबी की गई है? ...(व्यवधान) सिखों के प्रेम सिंह चंदूमाजरा जी यहां बोले। ...(व्यवधान) होम मिनिस्टर साहब ने सन् 1984 की बात की है। ...(व्यवधान) लेकिन अगर यह बात करते कि पंजाब में आज क्या हो रहा है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भगवंत मान को श्री रवनीत सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.40 p.m.

13.39 hours

The Lok Sabha then adjourned till

Forty Minutes past Fourteen of the Clock.